बी0ए0 (ऑनर्स) दर्शनशास्त्र

Code HPI–C102 **द्वितीय पत्र – पाश्चात्य ज्ञानमीमांसा**

समयः 3 घण्टे

पूर्णांकः 100+50 = 150

प्रथम इकाई :– ज्ञान की अवधारणा – ज्ञान की परिभाषा, ज्ञान के प्रकार, ज्ञान के प्रयोग, परिचय के द्वारा ज्ञान, वर्णन के द्वारा ज्ञान।

द्वितीय इकाई :– देकार्ते की संदेह विधि, ह्यूम का संशयवाद, सत्य, विश्वास, कान्ट द्वारा औचित्य स्थापन।

तृतीय इकाई :– बुद्धिवाद, अनुभववाद, समीक्षावाद।

चतुर्थ इकाई :– सत्य के सिद्धान्त – संवादिता, संसक्तता, व्यावहारिकता, संश्लेषण, विश्लेषण।

Paper I - Western Epistemology

1st Unit :- Concept of Knowledge – Definition, kinds and its uses, knowledge by acquaintance and knowledge by description.

2nd Unit :- Method of Doubt – Descartes, Scepticism of Hume, Truth, Belief, Justification by Kant.

3rd Unit :- Rationalism, Empiricism and Critical Philosophy.

4th Unit :- Theories of Truth, Correspondence, Coherence and Pragmatism, Analysis and Synthesis.

सन्दर्भ एवं सहायक ग्रन्थ सूची :–

1. ज्ञानमीमांसा की समस्याऐं – डॉ0 हृदय नारायण मिश्र (निर्धारित)
2. दर्शनशास्त्र का परिचय (हि0अ0) – डब्ल्यू पैट्रिंक
3. पाश्चात्य दर्शन – डॉ0 ब्रह्म स्वरूप अग्रवाल
4. पाश्चात्य दर्शन का समस्याए – एच0एन0मिश्र
5. पाश्चात्य दर्शन का इतिहास – दयाकृष्णन

6. Problem of Philosophy – Bertrand Rusell.
7. Introduction of Philosophy – Polman.

तृतीय इकाई - जगत् का सृजनवादी सिद्वान्त, जगत् के प्रमुख तत्त्व– ईश्वर, जीव एवं प्रकृति का स्वरूप, बन्धन एवं मुक्ति का स्वरूप।

चतुर्थ इकाई – प्रमुख वैदिक प्रत्यय– ऋृत, सत्य, विद्या, अविद्या, सम्भूति, असम्भूति कर्म, संस्कार, धर्म।

पंचम इकाई – प्रमुख दार्शनिक मतों की समीक्षा– अद्वैतवाद, एवं विशिष्टाद्वैतवाद ।